देवता चुनाव

पहले दिन एक भी नामांकन नहीं, 29 तक मौका

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (देवता) के पांच साल बाद हो रहे चुनाव के पहले दिन सोमवार को एक भी नामांकन जमा नहीं हुआ। न ही यूनिवर्सिटी में चुनाव की कोई हलचल नजर आई। हालांकि अध्यक्ष और सचिव पद को लेकर अभी एक-एक नाम की चर्चा है, संभावना है कि एक-दो दिन में पहले पैनल के दावेदार खुलकर सामने आएंगे और नामांकन भी भरेंगे। वहीं दूसरे पक्ष का पैनल बनेगा भी या नहीं, इसे पर असमंजस है। चुनाव के पहले दिन कोई गहमा-गहमी नजर नहीं आने के पीछे एक बड़ी वजह यह भी है कि सीनियर प्रोफेसर सीधे मैदान में उतरकर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। सभी की कोशिश है कि या तो सहमति से नाम तय हों या निर्विरोध।

चुनाव कार्यक्रम जारी हो चुका है, उसके अनुसार प्रक्रिया बढ़ेगी

चुनाव में वोटिंग की नौबत आएगी या नहीं, यह कहना मुश्किल है। मीडिया प्रभारी डॉ. चंदन गुप्ता के अनुसार पहले दिन कोई नामांकन नहीं आया। पूरा चुनाव कार्यक्रम जारी हो चुका है। उसी के अनुसार आगे की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

डीएवीवी: समर ट्रेनिंग के साथ प्री प्लेसमेंट ऑफर, यूएई की तीन कंपनियां भी आएंगी

मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग छात्रों को समर और इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के दौरान मिलेगा जॉब

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने प्लेसमेंट को लेकर पहली बार नए कॉन्सेप्ट पर काम शुरू किया है। जल्द शुरू होने वाली मैनेजमेंट छात्रों की समर ट्रेनिंग और इंजीनियरिंग छात्रों की इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के दौरान ही प्री प्लेसमेंट ऑफर दिए जाएंगे, यानी छात्र को बेहतर ट्रेनिंग के साथ ही जॉब ऑफर भी मिल जाएंगे। लगभग 10 छात्रों को ट्रेनिंग के दौरान ही जॉब ऑफर मिलना पक्का है, इसके लिए यूएई की तीन कंपनियों समेत आठ कंपनियों ने हामी भरी है, जबकि 50 से 60 छात्रों को ट्रेनिंग शुरू होने के कुछ दिन बाद प्री प्लेसमेंट ऑफर मिलेगा। मैनेजमेंट कोर्स के छात्रों को यूनिवर्सिटी समर ट्रेनिंग में शामिल होना का अवसर देती है। अब इसमें स्किल को भी जोड़ा जा रहा है, ताकि स्किल ओरिएंटेड नॉलेज के चूते पर छात्रों को प्री प्लेसमेंट ऑफर मिल सके। इंजीनियरिंग के छात्रों को भी स्पेशल इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग दी जाती है। इसलिए उसके छात्रों को भी इस बार बड़ी संख्या में प्री प्लेसमेंट ऑफर की तैयारी है।

2018-19 से आगे निकले, चार माह में 200 तक बढ़ेगा आंकड़ा

नियमित प्लेसमेंट प्रक्रिया में यूनिवर्सिटी पिछले सत्र 2018-19 के कुल आंकड़े से आगे निकल गई है, तब 1115 प्लेसमेंट हुए थे, अभी आंकड़ा 1120 तक पहुंच गया है। अभी इस सत्र 2019-20 के पूरा होने में चार माह बचे हैं। ऐसे में प्रबंधन को उम्मीद है कि आंकड़ा कम से कम 1300 पार पहुंचेगा। सेंट्रल प्लेसमेंट के डॉ. निशिकांत चायकर का कहना है कि पिछले साल के आंकड़े से कम 10 फीसदी का इजाफा हो। उसी दिशा में काम कर रहे हैं।

26 फीसदी सीटें बढ़ी हैं इसलिए टारगेट बढ़ा

आर्थिक आधार पर आरक्षण के तहत यूनिवर्सिटी की जो 26 फीसदी यानी लगभग 820 सीटें बढ़ी हैं, उसके मद्देनजर अगले सत्र के लिए प्लेसमेंट का टारगेट भी बढ़ाया जा रहा है। 2020-21 के लिए डेढ़ हजार छात्रों के प्लेसमेंट का टारगेट तय किया जाएगा। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के हेड अवनीश व्यास के अनुसार ज्यादा टारगेट इसलिए जरूरी है, क्योंकि छात्र संख्या बढ़ी है। ऐसे में हमारा जो मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग कोर्स के साथ अन्य स्ट्रीम के कोर्स के छात्रों को भी ज्यादा संख्या में प्लेसमेंट दिलवाने पर जोर रहेगा।

इधर... पांच करोड़ का फंड होने के बाद भी स्टार्टअप के नए आइडिया देने में छात्र फेल

प्लेसमेंट को लेकर यूनिवर्सिटी नए टारगेट तय कर रही है, लेकिन स्टार्टअप को लेकर 5 करोड़ का फंड होने के बाद भी छात्रों ने नए आइडिया देने में रुचि नहीं दिखाई। यूनिवर्सिटी ने लगभग सौ छात्रों से आइडिया मांगे थे, लेकिन 10 ने भी नहीं दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जो आइडिया आए, वह भी कमजोर रहे, यानी अब इस बजट का उपयोग छात्रों के स्टार्टअप शुरू करने में नहीं हो पाएगा।

ऐसे आइडिया आए

- छात्रों को मिलकर नया होस्टल बनाना चाहिए, ताकि बाहरी छात्रों को अच्छे रूम मिल सकें।
- सुपर मार्केट शुरू करना चाहिए, ताकि शहर के लोगों को एक ही छत के नीचे सारे सामान मिल सकें।
- शहर में एक याथ डेयरी शुरू की जाए, ताकि अच्छी क्वालिटी को दूध सही कीमत पर पूरे शहर को मिल सके।

भास्कर

प्रो. आशुतोष मिश्रा,
पूर्व कुलपति, डीएवीवी

बीएससी ऑनर्स- फिजिक्स, यानी टीचिंग फील्ड में जॉब पक्की

अभी तक बीएससी जैसे कोर्स को पीसीएम, कम्प्यूटर साइंस और बॉयोटेक्नोलॉजी जैसे विषयों से जोड़कर ही देखा जाता था, लेकिन अब बीएससी ऑनर्स फिजिक्स और बीएससी ऑनर्स ने टीचिंग फील्ड में जॉब की संभावनाओं को कई गुना बढ़ा दिया है। खासकर बीएससी ऑनर्स के बाद बीएड करने वाले छात्रों के लिए स्कूलों में टीचिंग के लिए जबरदस्त ऑफर मिलते हैं। यह कोर्स रिसर्च ऑरिएंटेशन में जाने के लिए भी बेहद अहम साबित हो रहा है। इस कोर्स के बाद रिसर्च में रुचि रखने के लिए बेहतरीन स्कोप है। खास बात यह है कि यह विषय यूनिवर्सल है और टेक्नोलॉजी के लिए बहुत अच्छा है। इस कोर्स के छात्र नैनो टेक्नोलॉजी, न्यूक्लियर साइंस और डिफेंस में भी जा सकते हैं। बारहवीं में अंग्रेजी विषय का होना इसमें अनिवार्य है। मध्य प्रदेश में इस कोर्स की शुरुआत डीएवीवी से हो चुकी है। अब यह कई कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में भी शुरू होगा। बीएससी ऑनर्स के बाद एमएससी के बाद कॉलेजों और टीचिंग विभागों में भी टीचिंग का रास्ता खुलता है और नेट-पीएचडी के बाद यह बेहतरीन पैकेज के साथ जॉब ऑफर देता है।

दैनिक भास्कर 25/2/2020